1 / आई0क्यू0ए0सी0बैठक–नोटिस / प्रथम बैठक / 2021–22 दिनांक 22 सितम्बर, 2021

नोटिस

आन्तरिक गुणवत्ता एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ (आई0क्यू0ए0सी0) के समस्त सम्मानित सदस्यों से अनुरोध है कि प्रकोष्ठ की प्रथम साप्ताहिक बैठक के लिए आज दिनांक 22 सितम्बर, 2021, बुधवार को अपराह्न 01:45 बजे आई0क्यू0ए0सी0 कक्ष में उपस्थित होने का कष्ट करें ताकि भविष्य की रूपरेखा बनाकर कार्यप्रारम्भ किया जा सके। बैठक के एजेण्डा बिन्दु संलग्न हैं।

22.9.21
(डा0 मु0 अब्दुल अलीम अन्सारी)
संयोजक, आई0क्यू0ए0सी0

1. डा0 अब्दुल अलीम अन्सारी – संयोजक
2. डा0 पीयूष पटेल
3. डा0 शनव्वर
4. डा0 शैलेन्द्र सिंह
5. डा0 दीप्ति मैठाणी

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC), SBKR GDC CHURIYALA, BHAGWANPUR, HARIDWAR.

1/आई0क्यू0ए0सी0बैठक–नोटिस/प्रथम बैठक/2021–22 दिनांक 22 सितम्बर, 2021

ऐजेण्डा बिन्दु

1. कार्यालय आदेश दिनांक 14.09.2021 पर विचार विमर्श जिस के माध्यम से राजकीय महाविद्यालय चुड़ियाला में आन्तरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ (आई0क्यू0ए0सी0) का निम्नवत् गठन किया गया है–"**उच्च स्तर से प्राप्त निर्देशों के अनुक्रम में महाविद्यालय का नैक प्रत्यायन अतिशीघ्र कराया जाना प्रस्तावित है। इस उद्देश्य की प्राप्ति एवं नैक से पूर्व आवश्यक तैयारियों को दृष्टिगत रखते हुए आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ का गठन निम्नानुसार किया जाता है। नैक प्रभारी डा0 मु0 अ0 अलीम अन्सारी को पुनः निर्देशित किया जाता है कि उक्त प्रकोष्ठ की प्रत्येक सप्ताह में एक बार बैठक आहूत कर विचार विमर्श करते हुए आवश्यक सुझावों का क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं तथा संस्था में उपलब्ध प्रत्येक संसाधन (भौतिक एवं मानवीय) का उपयोग/सहयोग प्राप्त करें ताकि शीघ्र नैक प्रत्यायन एवं अच्छे अंक प्राप्त किए जा सकें।**"
2. प्रकोष्ठ का गठन नैक प्रत्यायन एवं उससे पूर्व आवश्यक तैयारियां किए जाने हेतु किया गया है। अतः नैक के सम्बन्ध में सदस्यों के पूर्वज्ञान की समीक्षा एवं नैक पूर्व क्या आवश्यक तैयारियां की जानी है इस विषय में चर्चा।
3. किस प्रकार कार्य प्रारम्भ किया जाए, कैसे आगे बढ़ाया जाए, किस किस सदस्य को क्या भूमिका एवं दायित्व सौंपे जाएं, समिति से इतर अन्य प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं अन्य की क्या भूमिका हो सकती है, के विषय में चर्चा।
4. संस्था में उपलब्ध प्रत्येक भौतिक एवं मानवीय संसाधन का उपयोग/सहयोग किस प्रकार प्राप्त किया जाए, कार्यालय, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय आदि से क्या क्या सामग्री, सूचना एवं सहयोग प्राप्त किया जा सकता है, के विषय में चर्चा।
5. अगली बैठक से पूर्व प्रकोष्ठ की प्रक्रियाओं का निर्धारण, बैठक के ऐजेण्डा बिन्दुओं का चयन, वीकली टारगेट्स का निर्धारण के सम्बन्ध में चर्चा।
6. नैक प्रत्यायन के प्रति एवं उसके लिए आवश्यक अभिलेखों, सूचनाओं के सुव्यवस्थित संग्रहण हेतु समस्त महाविद्यालय परिवार को सेन्सिटाईज़ करने के उपायों के सम्बन्ध में चर्चा।

22.9.21

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC), SBKR GDC CHURIYALA, BHAGWANPUR, HARIDWAR.

आई0क्यू0ए0सी0 प्रथम बैठक (22.09.21)

उपस्थिति

क्र.स.	नाम	उपस्थिति
1	डा0 अब्दुल अलीम अन्सारी	उपस्थित
2	डा0 पियूष पटेल	उपस्थित
3	डा0 शनव्वर	उपस्थित
4	डा0 शैलेन्द्र सिंह	उपस्थित
5	डा0 दीप्ति मैठाणी	उपस्थित

PHOTOGRAPH OF FIRST MEETING OF IQAC ON 22.09.2021 WEDNESDAY

1 / आई0क्यू0ए0सी0बैठक–कार्यवृत्त / प्रथम बैठक / 2021–22 दिनांक 22 सितम्बर, 2021

महाविद्यालय आई0क्यू0ए0सी0 की प्रथम बैठक दि0 22.09.21(बुधवार) का कार्यवृत्त

उपस्थित सदस्यण आई0क्यू0ए0सी0:–

1. डा0 अब्दुल अलीम अन्सारी – संयोजक
2. डा0 पीयूष पटेल
3. डा0 शनव्वर
4. डा0 शैलेन्द्र सिंह
5. डा0 दीप्ति मैठाणी

आज दिनांक 22 सितम्बर, 2021 बुधवार को श्री बाबू कलीराम राकेश राजकीय महाविद्यालय चुड़ियाला, भगवानपुर में स्थित आन्तरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ (आई0क्यू0ए0सी0) कक्ष में अपराह्न 01:45 बजे से प्रकोष्ठ की प्रथम बैठक आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रकोष्ठ संयोजक डा0 मु0 अब्दुल अलीम अन्सारी द्वारा की गई। बैठक में विभिन्न ऐजेण्डा बिन्दुओं पर निम्नवत् चर्चा की गई–

एजेण्डा बिन्दु 1:– *कार्यालय आदेश दिनांक 14.09.2021 पर विचार विमर्श जिस के माध्यम से राजकीय महाविद्यालय चुड़ियाला में आन्तरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ (आई0क्यू0ए0सी0) का निम्नवत् गठन किया गया है–"**उच्च स्तर से प्राप्त निर्देशों के अनुक्रम में महाविद्यालय का नैक प्रत्यायन अतिशीघ्र कराया जाना प्रस्तावित है। इस उद्देश्य की प्राप्ति एवं नैक से पूर्व आवश्यक तैयारियों को दृष्टिगत रखते हुए आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ का गठन निम्नानुसार किया जाता है। नैक प्रभारी डा0 मु0 अ0 अलीम अन्सारी को पुनः निर्देशित किया जाता है कि उक्त प्रकोष्ठ की प्रत्येक सप्ताह में एक बार बैठक आहूत कर विचार विमर्श करते हुए आवश्यक सुझावों का क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं तथा संस्था में उपलब्ध प्रत्येक संसाधन (भौतिक एवं मानवीय) का उपयोग/सहयोग प्राप्त करें ताकि शीघ्र नैक प्रत्यायन एवं अच्छे अंक प्राप्त किए जा सकें।"*

उपरोक्त बिन्दु पर चर्चा की गई। महाविद्यालय में अनिवार्य नैक प्रत्यायन कराये जाने हेतु प्रकोष्ठ का प्राचार्य महोदय द्वारा गठन किया गया है एवं तीव्र गति से समस्त तैयारियां पूर्ण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। साथ ही प्रत्येक सप्ताह में एक बार बैठक आहूत कर विचार विमर्श करते हुए आवश्यक सुझावों का क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने तथा संस्था में उपलब्ध प्रत्येक संसाधन (भौतिक एवं मानवीय) का उपयोग/सहयोग प्राप्त कर शीघ्र नैक प्रत्यायन कराने एवं अच्छे अंक प्राप्त किए जाने हेतु भी निर्देशित किया गया है। नैक/प्रकोष्ठ संयोजक द्वारा नैक की आधिकारिक वेबसाईट से डाउनलोडेड प्रकोष्ठ से सम्बन्धित सूचनाओं के आधार पर प्रकोष्ठ के गठन में इसमें सम्मिलित किए जाने वाले विभिन्न श्रेणी के सदस्यों के सम्बन्ध में सभी को अवगत कराया

तथा चर्चा उपरान्त यह तय किया गया कि उचित समय पर सभी श्रेणियों में सदस्यों को प्रकोष्ठ में नियमानुसार प्राचार्य महोदय के माध्यम से सम्मिलित किया जाएगा। प्रकोष्ठ की बैठक आहूत करने के सम्बन्ध में भी प्रत्येक सप्ताह के स्थान पर उपलब्ध नियमानुसार पाक्षिक बैठकें आहूत करने का निर्णय लिया गया **(कार्यवाही– प्राचार्य / समस्त सदस्यगण)**

एजेण्डा बिन्दु 2:– *प्रकोष्ठ का गठन नैक प्रत्यायन एवं उससे पूर्व आवश्यक तैयारियां किए जाने हेतु किया गया है। अतः नैक के सम्बन्ध में सदस्यों के पूर्वज्ञान की समीक्षा एवं नैक पूर्व क्या आवश्यक तैयारियां की जानी है इस विषय में चर्चा।*

संयोजक प्रकोष्ठ द्वारा पृच्छा किए जाने पर सभी सदस्यों द्वारा अवगत कराया गया कि उनके द्वारा पूर्व में न तो कभी नैक प्रत्यायन से सम्बन्धित किसी दायित्व का निर्वहन किया गया है न ही इससे सम्बन्धित कोई प्रशिक्षण ग्रहण किया गया है। अतः प्रकोष्ठ के सभी सदस्यों से अपेक्षा की गई की नैक प्रत्यायन के प्रक्रम एवं प्रकोष्ठ के सम्बन्ध में नैक की वेबसाइट से अध्ययन कर जानकारी प्राप्त की जाए। सदस्यों द्वारा आग्रह किया गया कि उन्हें महत्वपूर्ण जानकारी व्हाट्सएप्प ग्रुप या ई–मेल के माध्यम से उपलब्ध कराई जाए जिससे वे अध्ययन कर सकें।**(कार्यवाही– समस्त सदस्यगण, संयोजक)**

एजेण्डा बिन्दु 3:– *किस प्रकार कार्य प्रारम्भ किया जाए, कैसे आगे बढ़ाया जाए, किस किस सदस्य को क्या भूमिका एवं दायित्व सौंपे जाएं, समिति से इतर अन्य प्राध्यापकगण , कर्मचारीगण एवं अन्य की क्या भूमिका हो सकती है, के विषय में चर्चा।*

उपरोक्त बिन्दु संख्या 2 के अनुरूप सर्वप्रथम नैक प्रत्यायन प्रक्रिया के अध्ययन करने का निर्णय लिया गया। तत्पश्चात आगामी बैठकों में कार्यविभाजन कार्यवाही प्रस्तावित की गई।**(कार्यवाही– समस्त सदस्यगण)**

एजेण्डा बिन्दु 4:– *संस्था में उपलब्ध प्रत्येक भौतिक एवं मानवीय संसाधन का उपयोग/सहयोग किस प्रकार प्राप्त किया जाए, कार्यालय, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय आदि से क्या क्या सामग्री, सूचना एवं सहयोग प्राप्त किया जा सकता है, के विषय में चर्चा।*

उपरोक्त बिन्दु संख्या 1 के अनुरूप प्रकोष्ठ में कार्यालय, पुस्तकालय आदि का सक्रिय सहयोग एवं प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने हेतु यथा समय आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।**(कार्यवाही– प्राचार्य / समस्त सदस्यगण)**

एजेण्डा बिन्दु 5:– *अगली बैठक से पूर्व प्रकोष्ठ की प्रक्रियाओं का निर्धारण, बैठक के ऐजेण्डा बिन्दुओं का चयन, वीकली टारगेट्स का निर्धारण के सम्बन्ध में चर्चा।*

इस बिन्दु को भी आगामी बैठक में पुनः विचारार्थ रखने पर सहमति हुई ।**(कार्यवाही– समस्त सदस्यगण, संयोजक)**

एजेण्डा बिन्दु 6:– *नैक प्रत्यायन के प्रति एवं उसके लिए आवश्यक अभिलेखों, सूचनाओं के सुव्यवस्थित संग्रहण हेतु समस्त महाविद्यालय परिवार को सेन्सिटाईज़ करने के उपायों के सम्बन्ध में चर्चा।*

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC), SBKR GDC CHURIYALA, BHAGWANPUR, HARIDWAR.

नैक प्रत्यायन में अधिकतम अंक प्राप्त करने हेतु यह अत्यन्त महत्वपूर्ण है कि सम्बन्धित आवश्यक अभिलेखों एवं सूचनाओं को प्रजेन्टेबल फॉर्म में सुव्यवस्थित रूप से एकत्रित किया जाए। जिसके अभाव में हम नैक के जिन मानकों को पूर्ण भी करते हैं उनमें भी वांछित अंक प्राप्त नहीं कर पाएंगे। अतः इस सम्बन्ध में समस्त सम्बन्धितों को जागरूक एवं सेंसिटाईज़ करने की आवश्यकता है। इसके लिए चर्चा उपरान्त सुझाव स्वीकृत हुआ कि जहां कहीं भी अभिलेखों के रखरखाव में सुधार की आवश्यकता प्रतीत हो उसे सम्मिलित प्रयास से ठीक किया जाए। शुरूआत के लिए परीक्षा परिणामों के रखरखाव को मसला प्रस्तुत किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा अंक पत्रों के साथ परीक्षा परिणाम गजट की प्रति अब उपलब्ध नहीं कराई जाती। तथा कार्यालय द्वारा अंकपत्र वितरण से पूर्व समस्त परीक्षा परिणामों की आंशिक महत्वपूर्ण सूचनाओं को ही नकल कर रजिस्टर किया जाता है पूर्ण परीक्षा परिणाम को समग्रता के साथ सुरक्षित नहीं किया जाता जिससे आवश्यकता होने पर समस्त सूचनाएं उपलब्ध नहीं हो पाती। अतः प्रत्येक वर्ष के पूर्ण परीक्षा परिणाम को समग्रता के साथ संरक्षित करने के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक विभाग अपने से सम्बन्धित परिणाम को समग्रता के साथ विभागीय स्तर पर भी रजिस्टर करे।(**कार्यवाही– समस्त विभाग प्रभारी गण**)

इस प्रकार आई0क्यू0ए0सी0 समिति की प्रथम बैठक सम्पन्न हुई। संयोजक द्वारा समस्त उपस्थित सदस्यगण का उनके बहुमूल्य सुझावों एवं आभार व्यक्त किया।

(डा0 मु0 अब्दुल अलीम अन्सारी)
o/c संयोजक, आई0क्यू0ए0सी0

प्रतिलिपिः– प्राचार्य, रा0म0वि0 चुड़ियाला, भगवानपुर हरिद्वार महोदय की सेवा में अवलोकनार्थ / अनुमोदनार्थ।
2. समस्त सदस्यगण।

(डा0 मु0 अब्दुल अलीम अन्सारी)
o/c संयोजक, आई0क्यू0ए0सी0